(iv) अंग

(v) मत

(vi) दल

(vii) पठन

(viii) अपयश

[This question paper contains 8 printed pages.]

2306 आपका अनुक्रमांक ....

B.A. (Programme)/II/III **F-I**

HINDI LANGUAGE (C) – Paper II (B-137/C-137)

हिंदी भाषा (ग) – प्रश्नपत्र II

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

टिप्पणी:- प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक SOL के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (8,8)

(क) चार कोस से दौड़े आए जब मंत्री की सुनी अवाई
लड़कों ने बेले बरसाए, मास्टर ने माला पहनाई
संगीनों की घनी छाँव में हिली माल, मूरत मुसकाई
तम्बू में घुस गए मिनिस्टर, मास्टर पर कुछ दया न आई

(i) ये पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं ? इनके रचयिता का नाम भी लिखिए।

(ii) स्कूल की ओर से मंत्री जी का स्वागत कैसे किया जाता है ?

(iii) 'तंबू में घुस गए मिनिस्टर, मास्टर पर कुछ दया न आई' – इस पंक्ति का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'मिनिस्टर', 'मूरत' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(ख) धर्म से महात्माजी का मतलब धर्म के ऊँचे उदार तत्त्वों ही का हुआ है। उनके मानने में किसे एतराज हो सकता है। अजान देने, शंख बजाने, नाक दाबने और नमाज पढ़ने का नाम धर्म नहीं है। शुद्धाचरण और सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिह्न हैं। दो घंटे तक बैठकर पूजा कीजिए और पंच वक्ता नमाज भी अदा कीजिए, परंतु ईश्वर को इस प्रकार की रिश्वत दे चुकने के पश्चात् यदि आप अपने को दिन भर बेइमानी करने और दूसरों को तकलीफ पहुँचाने के लिए आजाद समझते हैं, तो इस धर्म को अब आगे आनेवाला समय कदापि नहीं टिकने देगा। अब तो आपका पूजापाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगा।

(i) उपर्युक्त पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) महात्मा गांधी के अनुसार धर्म क्या है ?

7. (अ) किसी एक विषय पर लेख लिखिए : (8)

(क) भारतीय युवा और बेरोजगारी

(ख) इंटरनैट

(ग) भारतीय राजनीति के नये रुझान

(ब) अपने महाविद्यालय में हुई राष्ट्रीय-संगोष्ठी पर प्रतिवेदन लिखिए। (4)

अथवा

संक्रामक बीमारियों संबंधी सर्वेक्षण पर प्रतिवेदन लिखिए।

8. (अ) कोश की परिभाषा देते हुए एक-भाषी कोशों के दो उदाहरण दीजिए। (4)

अथवा

द्वि-भाषी कोश से क्या समझते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ब) हिन्दी शब्दकोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : (4)

(i) जीव

(ii) छल

(iii) पलक

6. (अ) किन्हीं **चार** मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : (4)

(क) खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे

(ख) ख्याली पुलाव पकाना

(ग) बगलें झाँकना

(घ) टेढ़ी खीर होना

(ङ) तलवे चाटना

(च) उल्टी गंगा बहाना

(ब) किन्हीं **चार** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (4)

(क) हमने दिल्ली जाना है।

(ख) वह कदापि भी झूठ नहीं बोलता।

(ग) आज मैं प्रातःकाल के समय वहाँ गया।

(घ) मेरे को आज खेलना है।

(ङ) इसका वर्गीकरण करने का प्रयत्न करें।

(च) मैं उनका धन्यवाद देता हूँ।

(iii) लेखक के मत से भविष्य किस प्रकार के धर्म को टिकने नहीं देगा ?

(iv) भविष्य में अच्छे मनुष्य की पहचान कैसे होगी ?

(ग) लगभग सभी स्त्री-कल्याण स्वायत्त संस्थाओं का अनुभव है कि पति द्वारा पत्नी या पिता द्वारा पुत्री के साथ मारपीट के मामलों में थाने जाने पर पुलिस ज्यादातर यही कहती है कि ये तो मियाँ-बीवी या बाप बेटी का मामला है। तुम्हें-हमें क्या ? या आखिर अपनी ही जोरु (या बेटी) को तो पीटा है। दहेज-विरोधी पुलिस-प्रकोष्ठों तथा लोक अदालतों में प्रायः हिंसा की शिकार स्त्री को सुरक्षा और हिंसक को दण्ड देने की बजाय, स्त्री को ही 'एडजस्ट' कराने का रुख अधिक पाया जाता है और इसके पक्ष में परिवार की बदनामी से डर से लेकर बच्चों के भविष्य तक की दुहाई दी जाती है। सही कारण का उपचार न होने से ज्यादातर मामलों में हिंसा फिर-फिर सर उठाती है और कई बार यह दुखद प्रक्रिया औरत की मौत में ही जाकर खत्म होती है।

(i) उपर्युक्त पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) स्त्री हिंसा के घरेलू मामलों में प्रायः पुलिस क्या कहती है ?

(iii) दहेज-विरोधी पुलिस-प्रकोष्ठों तथा लोक-अदालतों का पीड़ित स्त्रियों के प्रति क्या रुख होता है ?

(iv) 'उपचार' और 'दुखद' शब्दों के अर्थ लिखिए।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (9)

(क) साधारण आदमी धर्म को किस रूप में मानता है ?

(ख) 'ताम-झाम थे प्रजातंत्र के लटका था सामंती ताला'-मास्टरजी ने अपने विरोध-पत्र में ऐसा क्यों लिखा ? स्पष्ट कीजिए। (मास्टर)

(ग) आज के युग में प्राचीन भारत के इतिहास का अध्ययन क्यों आवश्यक बताया गया है ? (प्राचीन भारतीय इतिहास का महत्त्व)

(घ) 'भाषा का प्रश्न : प्रेमपत्रों के संदर्भ में' पाठ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। (भाषा का प्रश्न : प्रेमपत्रों के संदर्भ में)

(ङ) लेखक ने सचिन तेंदुलकर की पारी को एक परिपक्व, अनुशासित और विचारवान, अनुपम प्रतिभा-सम्पन्न बल्लेबाज की पारी क्यों कहा है ? (सिडनी के बाद सचिन)

3. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (12)

(क) अवधी भाषा

(ख) राजभाषा हिन्दी

(ग) हिन्दी की मानक वर्तनी

(घ) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी

4. निम्नलिखित अपठित अनुच्छेद के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आरंभ में जो विद्रोह होता है वह आम तौर पर वास्तविक समस्याओं पर केंद्रित होता है पर अपनी विफलता के कारण वह बेहतर लोगों की पकड़ से छूटकर ऐसी शक्तियों के हाथ में चला जाता है जो उसे विकृत कर देती हैं। नतीजे में जिन आततायियों, शोषकों, भ्रष्टाचारियों, अन्यायियों के विरूद्ध संघर्ष होता है, वे ही बाद में उसका संचालन करने लगते हैं, और उन्हीं निरीह नागरिकों को सताने और उनकी हत्या करने लगते हैं जिनके रक्त ने उसे सींचा है। लोगों के जीवन में भी जब भ्रम और असुरक्षा व्याप्त हो जाती है तो लोग भी उन्हीं का सहारा लेने लगते हैं जिनके विरोध में वे खड़े हुए थे। इसी कारण आतंकवाद जन्मे, पनपे और बड़े हुए हैं।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

(ख) कोई भी विद्रोह क्यों विकृत हो जाता है ? (2)

(ग) आतंकवाद क्यों जन्मा और पनपा है ? (2)

5. नयी चेकबुक प्राप्त करने हेतु बैंक-प्रबंधक को एक पत्र लिखिए। (5)

अथवा

सफाई-कर्मचारी की शिकायत करते हुए दिल्ली नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए।